दैनिक जागरण
23.08.2014

www.jagran.com

पटना सिटी जागरण

वाटर एम्बुलेंस सेवा शुरू करे सरकार

- चैनलों को जलमार्ग से जोड़ने से गांधी सेतु पर वाहनों का लोड होगा कम
- नीनी में जुटे देशभर के नौवहन एक्सपर्ट, कारगो परिचालन को तलाशी संभावना

जागरण संवाददाता, पटना सिटी : जहाजरानी मंत्रालय अन्तर्गत भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आइडब्लूएआइ) ने गंगा में जलमार्ग विकसित कर हल्दिया से इलाहाबाद के बीच कारगो परिचालन की दिशा में शुक्रवार को एक बड़ी पहल की। नौवहन के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों एवं विशेषज्ञों का जुटान गायघाट स्थित अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (नीनी) हुई। गंगा में मालवाहक जहाज चलाने को लेकर मंथन हुआ। खास बात यह कि विशेषज्ञों ने गंगा में वाटर एम्बुलेंस सेवा राज्य सरकार द्वारा शुरू कराने एवं चैनलों को जोड़ने की भी बात कही।

नदी मामलों के जानकार एवं जल क्रीड़ा विहार के सचिव उपेन्द्र कुमार ने कहा कि वैशाली एवं छपरा के गंगा चैनलों को राजधानी से जलमार्ग से जोड़ा जाना चाहिए।

जहाज के रास्ते उन जिलों से हर दिन दूध, सब्जी व अन्य सामान लेकर गांधी सेतु व अन्य सड़क मार्ग से आने वाले हजारों व्यापारियों को लाभ होगा। जबकि दूसरी ओर गांधी सेतु पर से वाहनों का दबाव भी कम होगा। विशेषज्ञों ने कहा कि बिहार सरकार ने नौवहन कानून बना लिया है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते आइडब्लूएआइ के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा जागरण

इसी के अन्तर्गत गंगा में जहाज का परिचालन कर सरकार उत्तर बिहार के लोगों को सस्ता, सुगम व सुरक्षित मार्ग उपलब्ध करा सकती है।

विशेषज्ञों ने गंगा में वाटर एम्बुलेंस सेवा शुरू करने पर भी जोर दिया। इनका कहना था कि दानापुर दियारा, बिदुपुर, नेपाल, सोनपुर के चैनल से एम्बुलेंस सेवा गंगा में शुरू की जाए तो वहां के मरीजों को पटना मेडिकल कालेज अस्पताल समेत राजधानी के अन्य अस्पताल में पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा। अभी गंगा पार के मरीजों को राजधानी पहुंचने में कई घंटे लगते हैं और किराया में अधिक खर्च होता है। देर से अस्पताल पहुंचने पर अधिकांश मरीजों की रास्ते में ही मौत हो जाती है।

नौवहन क्षेत्र में काम करने वाले बीस फीसदी बिहारी

नीनी में 'नौवहन में व्यापार के अवसर' विषय पर आयोजित कार्यशाला में आइडब्लूएआइ के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा ने देशभर से आये 45 विशेषज्ञों को गंगा में मालवाहक जहाज चलाने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण इसके लिए जरूरी संसाधन मुहैया कराएगी। कई कंपनियों ने इस प्रस्ताव में रुचि दिखाते हुए संभावनाओं पर बातचीत की। कारगो परिचालन और इसके लाभ को प्रोजेक्टर से कैप्टन आरबी नौलखे व अन्य ने प्रदर्शित भी किया। अध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि देश-विदेश में नौवहन के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञों में बीस फीसदी बिहार के ही हैं। यदि वह यहां आकर नौवहन क्षेत्र में काम करें तो बिहार का जबरदस्त विकास होगा।

लीज पर दस जहाज उपलब्ध कराने का प्रस्ताव

गंगा में कारगो शुरू करने के लिए जल मार्ग, जहाज, सुरक्षा, जहाज का निर्माण एवं सामान, टर्मिनल बनाने से लेकर पर्यटन को बढ़ावा देने पर भी गंभीर बातचीत हुई। आइडब्लूएआइ के अध्यक्ष ने कहा कि कारगो परिचालन को दस जहाज लीज पर भी उपलब्ध करायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि हल्दिया से इलाहाबाद के रास्ते बिहार के कई जिलों अन्य राज्यों तक कोयला पहुंचाया जा रहा है। कार्यशाला में आइडब्लूएआइ के निदेशक गुरमुख सिंह, कोलकाता की जहाज निर्माण कंपनी के प्रदीप चौधरी, नालंदा शिपयार्ड के अशोक सहलियान, दाई निधि, मुम्बई के कैप्टन प्रफुल्ल रंजन, दिल्ली के कैप्टन पंकज, सुनील पंडित, नीनी के प्राचार्य अरुण कुमार समेत अन्य थे।

प्रभात खबर
23.08.2014

जलमार्ग सशक्त होने पर बढ़ेगा व्यापार

पटना सिटी. गायघाट स्थित राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (निनी) में शुक्रवार को 'जलमार्ग में व्यापार के अवसर' विषय पर संगोष्ठी हुई.उद्घाटन भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा ने करते हुए कहा जलमार्ग सशक्त होने व नदी नौवहन के प्रोत्साहन से व्यापार के अवसर मिलेंगे. अध्यक्ष ने कहा कि जलमार्ग को सशक्त बनाने के लिए तकनीक व क्षमता के इस्तेमाल करने के साथ आधारभूत संरचना भी उपलब्ध करायी जा रही है. जलमार्ग सशक्त होने से व्यापार बढ़ेगा. सबसे अहम बात यह कि जलमार्ग में कुशल व सुरक्षित परिवहन, पर्यावरण अनुकूल होगा. खास तौर पर थर्मल प्लांट के लिए कोयला व फर्टिलाइजर की ढुलाई के साथ अन्य संभावनाएं भी है.

लीज पर मिलेगा जहाज : अमिताभ वर्मा ने कहा कि निवेशकों को लीज पर जहाज देने की योजना है. एक जहाज के निर्माण में नौ करोड़ रुपये की लागत आती है. विभाग दस जहाज खरीद कर लीज पर देगा.

चार बराज निर्माण की योजना : जलमार्ग को सशक्त करने के लिए आधारभूत संरचना जरूरी है. इसी के तहत टर्मिनल व गोदाम का निर्माण,हल्दिया से लेकर इलाहाबाद के बीच में करने के साथ बक्सर से वाराणसी के बीच में दो बराज और इलाहाबाद से वाराणसी के बीच में दो बराज बनाने की योजना है. कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य अशोक कुमार राय ने किया. समारोह को सीएमएमआइ के सचिव राजेश कुमार,जल सर्वेक्षण चीफ कमांडर प्रशांत कुमार श्रीवास्तव,मर्चेंट नेवी एसोसिएशन के सदस्य एकेपी सिन्हा, निदेशक गुरमुख सिंह, नीनी के परियोजना निदेशक कैप्टन इंद्रवीर सोलंकी ने भी संबोधित किया.

राष्ट्रीय सहारा
23.08.2014

माल ढोने के लिए जहाज उपलब्ध कराएगा नौवहन

दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का आरंभ करते अधिकारीगण।

पटना सिटी (एसएनबी)। अंतरदेशीय जलमार्ग में व्यापार की अपार संभावनायें हैं। इसके लिए आधारभूत संरचना उपलब्ध कराई जायेगी। ये बातें आईडब्ल्यूएआई के चेयरमैन अमिताभ वर्मा ने कहीं। वे शुक्रवार को गायघाट स्थित अंतरदेशीय नौवहन संस्थान में 'अंतरदेशीय जलमार्ग में व्यापार का अवसर' विषय पर आयोजित सेमिनार को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

■ अंतरदेशीय नौवहन संस्थान में जलमार्ग में व्यापार के अवसर विषय पर सेमिनार

व्यापार के लिए व्यापारियों को नौवहन लीज पर जहाज उपलब्ध करायेगा ताकि माल की ढुलाई ठीक से हो सके। उन्होंने कहा कि यहां पर टर्मिनल बनाने का भी प्रस्ताव है। सेमिनार में बड़ी संख्या में मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, पटना सहित देश के अन्य शहरों से व्यापारी शामिल थे। अतिथियों का स्वागत कैप्टन आईवी सोलंकी द्वारा किया गया। सेमिनार में कैप्टन पी. श्रीवास्तव ने नेशनल वाटरवेज में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रकाश डाला। कैप्टन आईवी सोलंकी ने आईडब्ल्यूटी सेक्टर में व्यापार के अवसर को समझाया। वाई. सिंधी ने ओडिसी और फेरी सर्विस के मूवमेन्ट पर प्रकाश डालते हुए इसकी महत्ता को बताया। एमएनओए के एकेपी सिन्हा ने निवेशकों को बताया कि निवेश के लिए क्या-क्या जरूरी है। निनी के निदेशक कैप्टन अशोक कुमार राय ने मंच संचालन किया।

i next

23.08.2014

वाटर एंबुलेंस चलेगा तो गंगा के रास्ते पेशेंट जल्दी पहुंचेंगे पीएमसीएच

नेशनल इनलैंड नेविगेशन इंस्टीच्यूट में प्रोग्राम का इनॉगरेशन करते गेस्ट.

> पटना, हाजीपुर, और सोनपुर के लोगों को होगा फायदा

> जल परिवहन की संभावनाओं और विस्तार पर हुआ सेमिनार

patna@inext.co.in

PATNA CITY (22 Aug) : सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो गंगा में वाटर एंबुलेंस और कार्गो शिप की शुरुआत हो सकती है. इसके शुरू होने से पटना, हाजीपुर, और सोनपुर के लोगों को काफी फायदा मिलेगा. खास बात यह है कि नई पहल करते हुए आईडब्ल्यूएआई ने वाटर एंबुलेंस चालू किए जाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है. अगर वाटर एंबुलेंस चालू होती है तो गंगा नदी के रास्ते ट्रीटमेंट के लिए पेशेंट का पीएमसीएच पहुंचना आसान हो जाएगा. वाटर एंबुलेंस का फायदा सोनपुर, हाजीपुर के दियारा एरिया के रहने वाली पब्लिक के साथ-साथ पटना डिस्ट्रिक्ट की पब्लिक को भी मिलेगा. इसके साथ ही कार्गो शिप चलाने की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं. इसके चालू होने से बिजनेसमैन को फायदा तो होगा ही साथ ही बेरोजगार लोगों को रोजगार भी मिल जाएगा. इन दोनों संभावनाओं पर आईडब्ल्यूएआई ने मेरीन नेविगेशन के लोगों के साथ मंथन शुरू कर दिया है. गंगा में नई संभावनाओं की तलाश शुरू कर दी गई है. दरअसल, बिहार के अंदर गंगा नदी में जल परिवहन की संभावनाओं और इसके विस्तार को लेकर गायघाट स्थित नेशनल इनलैंड नेविगेशन इंस्टीच्यूट (नीनी) में सेमिनार हुआ. इस मौके पर आईडब्ल्यूएआई के चेयरमैन अमिताभ वर्मा, डायरेक्टर गुरुमुख सिंह और देश के अलग-अलग हिस्सों के मेरीन नेविगेशन के 45 लोग मौजूद थे जिन्होंने नई खोज पर अपनी-अपनी राय रखी.

गंगा के रास्ते कोयले की सप्लाई

हल्दिया से इलाहाबाद के बीच टोटल 23 पावर प्लांट हैं. इन प्लांटों में कोयले की काफी जरूरत है. आईडब्लूएआई के चेयरमैन अमिताभ वर्मा के अनुसार भविष्य में सभी पावर प्लांटों में गंगा के रास्ते शिप से कोयले पहुंचाए जाएंगे. इस पर भी तेजी से विचार किया जा रहा है. प्रॉब्लम ये होगी वापसी में शिप खाली लौटेगा. ऐसे में दिक्कतें हो सकती हैं. इसलिए बिजनेसमैन से बातचीत की जाएगी. ताकि शिप के जरिए भी उनका बिजनेस चले और वापसी में शिप खाली न जाए. पूरे प्लान के लिए जरूरी है गंगा का वाटर लेबल मेंटेन रहना.

दैनिक भास्कर 23.08.2014

जलमार्ग के सशक्त होने से बढ़ेगी व्यापार की संभावना

पटना सिटी| गायघाट स्थित राष्ट्रीय नौ वहन संस्थान में शुक्रवार को 'जलमार्ग में व्यापार की संभावना' पर संगोष्ठी की गई। उद्घाटन भारतीय अंतरदेशीय जल मार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा ने किया।

उन्होंने कहा कि जलमार्ग के सशक्त होने से नदी नौवहन को प्रोत्साहन से व्यापार के कई आयाम सामने आने की संभावना बनेगी। बताया कि निवेशकों को लीज पर जहाज भी देने की योजना है। हालांकि एक जहाज के निर्माण पर करीब नौ करोड़ रुपए का खर्च आता है। फिलहाल दस जहाज को लीज पर देने की योजना है। मर्चेंट नेवी में दस से बीस प्रतिशत बिहार के लोगों के लोगों की भागीदारी है,जो व्यापार की संभावनाओं को समझते हैं। व्यापार को बढ़ावा देने के लिए टर्मिनल भी बनाने की योजना है। चार बराज भी बनाने की योजना है। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य अशोक कुमार राय ने किया। मौके पर जल सर्वेक्षण सचिव चीफ कमांड प्रशांत कुमार श्रीवास्तव, चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव एकेपी सिंहा,निदेशक गुरमुख सिन्हा, कैप्टन इंदवीर सोलंकी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

Hindustan Times
23.08.2014

Workshop on inland water transport business held

■ A workshop on 'Business Opportunities in Inland Water Transport' being organised on Monday. HT PHOTO

Chairman of Inland Waterways Authority of India (IWAI) Amitabh Verma on Friday assured his help to potential investors who want to start a business in inland water transport. He was speaking at a workshop on 'Business Opportunities in Inland Water Transport' organised by the National Inland Navigation Institute (NINI). Captain IV Solanki welcomed the guests, in which various technical sessions were also organised. NINI administrative officer Arun Kumar Dhanda and others were also present on the occasion.

आज
23.08.2014

नीनी में व्यावसायिक कार्यशाला

पटना सिटी (आससे)। गायघाट स्थित राष्ट्रीय अन्तरदेशीय नौवहन संस्थान (नीनी) प्रागंण में 'व्यवसायी ट्रांसपोर्टेशन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भा.अ.ज.प्र.के अध्यक्ष अभिताव वर्मा ने दीप प्रज्वलित करके की।

इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता नीनी के निदेशक कैप्टन आई.बी.सोलकी ने की। जबकि अतिथि के रूप में वाई. सिंहजी, मनोड़ा के ए.के.पी.सिन्हा, कैप्टन पी.श्रीवास्तवा, कैप्टन अशोक कुमार, प्रतीक चौधरी,अशोक खण्डेवाल, कैप्टन पंकज कुमार, पलफूल रंजन ने यातायात के संबंध में अपना-अपना विचार व्यक्त किया। साथ ही सस्ते से सस्ते दर पर सामानों के आने-जाने पर विचार रखा।

इस अवसर अतिथि के रूप में भा. अ.ज.प्र.के अध्यक्ष अभिताव वर्मा ने बताया कि इलाहाबाद से हदिया, पटना से बनारस तक जहाजों के आवागमन को और सुलभ व सस्ता बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार किया गया हैं। जिसमें सामानों के सस्ते दरों पर लाने, लैंड मार्ग पर नये जहाजों को परिचालन, की खरीदारी, ट्रांसपोर्टरों द्वारा सुझाये गए रास्ते, बंदरगाह समेत अन्य चीजों पर विचार किया गया।